गज़ल

जिद है के कभी हम भी तुझे मिल के रहेंगे
कुछ तेरी सुनेंगे और कुछ अपनी कहेंगे

1– माना कि तुम शहजोर हो और हसीन हो
कम हम भी नहीं आओगे जब आह भरेंगे
2– यह तुमको इजाजत है सद जुल्म करो तुम
आशिक है तो सब अपने दिलो जां पे सहेंगे
3– जब तुमको मेरी आंख नजरबंद करेगी
तब दिल में उतारेंगे तुझे प्यार करेंगे
4– कभी मिलके जो बिछुड़ोगे परेशान रहोगे
आंखों से मेरे आंसू के दरिया से बहेंगे
5– यह अजम है प्रकाश तेरे होके रहेंगे
मरना तो यकीनी है तेरे दर पे मरेंगे
6– गर तुम हो निगेहबान तो जरा रंजो गम नहीं
दुनियां ए बेखलूस से फिर क्यों हम डर के रहेंगे